बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -10 - 01-2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज शब्द के बारे में अध्ययन करेंगे।

शब्द – एक या अधिक वर्षों के सार्थक योग से शब्द बनता है; जैसे- कमल, पानी, रोटी, मोहन, गणेश, मेरठ आदि।

शब्दों के प्रकार – हिन्दी भाषा में साधारणतया चार प्रकार के शब्द प्रयोग में आते हैं

(क) तत्सम शब्द – संस्कृत भाषा के वे शब्द जो ज्यों के त्यों हिन्दी भाषा में प्रयोग में आते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं, जैसे- भ्राता, मित्र, सूर्य, पुत्र, अद्भुत, शैल, सरिता, शिखर आदि।

(ख) तद्भव शब्द – संस्कृत भाषा के वे शब्द जो बोल-चाल में प्रयुक्त होने के कारण बिगड़े हुए रूप में प्रयोग में आते हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं; जैसे – भाई, मीत, सूरज, पूत आदि

(ग) विदेशी शब्द – संस्कृत भाषा के अतिरिक्त अन्य विदेशी भाषाओं के वे शब्द जिनका प्रयोग हिन्दी में होता हो, विदेशी शब्द कहलाते हैं; जैसे- बटन, कोट, लालटेन, स्कूल, स्टेशन, इम्तहान, नोटिस, कैंची, सीमेंट, कारीगर, फाइल, बुखार आदि।

देशज शब्द – ऐसे शब्द जिनको निर्माण भावों को प्रकट करने के लिए किया जाता है, वे देशज शब्द कहलाते हैं, जैसे- खटपट, आटा, घोंसला, बिल्ली, खर्राटा, मिर्च, कड़क, कूटना आदि।

रूपान्तर के अनुसार शब्दों के भेद – रूपान्तर के अनुसार शब्द दो प्रकार के होते हैं –

1. विकारी शब्द – जिन शब्दों का रूप अर्थ के अनुसार बदलता रहता है, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं; जैसे – बालक से बालकों, पढ़ा से पढ़ी, आया से आएँगे आदि।

2. अविकारी शब्द – जिन शब्दों का रूप कभी नहीं बदलता वे अविकारी या अव्यय कहलाते हैं, जैसे- ने, अरे, पर आदि।

अर्थ के आधार पर शब्दों के भेद –

1. एकार्थी शब्द – जिस शब्द का प्रयोग केवल एक ही अर्थ के लिए होता है, वे एकार्थी शब्द कहलाते हैं, जैसे- घर, पीला, मनुष्य, ताँबा आदि।।
2. अनेकार्थी शब्द – जिस शब्द के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उसे अनेकार्थी शब्द कहते हैं; जैसे- पत्र- पत्ता, चिट्ठी; द्विज- ब्राहयण, पक्षी, वृक्ष; अंक- गिनती, भाग्य, गोद आदि।